# दिल्ली पब्लिक विद्यालय:- गान्धीनगरम्

## विषय:-  संस्कृतम्

## कक्षा-8

## भूतकाल: ( लङ् लकार:)- अभ्यास पत्रम्

# भूतकाल: ( लङ् लकार:)

| पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथम: पुरुष: | बालक: अपठत् । | बालकौ अपठताम् । | बालका: अपठन् । |
| मध्यम: पुरुष: | त्वम् (तुम) अपठ: । | युवाम् (तुम दोनों ) अपठतम् । | यूयम् (तुम सब) अपठत । |
| उत्तम: पुरुष: | अहम् (मैं) अपठम् । | आवाम् ( हम दोनों) अपठाव । | वयम् (हम सब) अपठाम । |

१. अधोलिखितानि वाक्यानि लङ् लकारे परिवर्तयत ।

| | वाक्यानि | उत्तराणि |
|---|---|---|
| १ | ते बालिके जलं पिबत: । | |
| २ | वयं श्लोकं लेखिष्याम: । | |
| ३ | ता: कार्यक्रमान् पश्यन्ति । | |
| ४ | नृप: भिक्षुकेभ्य: दान दास्यति । | |
| ५ | तौ बालौ आचार्यान् नंस्यत: । | |
| ६ | विक्रम: नृप: भवति । | |
| ७ | आपणिक: नाणकानि गणयति । | |
| ८ | वयम् संस्कृतपुस्तकं पठिष्याम: । | |
| ९ | आवां किं कार्यं कुरुथ: ? | |
| १० | आवां असत्यं त्यजाव: । | |

२. निर्देशानुसारं लङ् लकारस्य रूपाणि  रचयत।

| क्रम: | धातु: | पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | पत् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| २ | पठ् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| ३ | भू | उत्तम: पुरुष: | | | |
| ४ | दा-यच्छ् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| ५ | भ्रम् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| ६ | क्रीड् | उत्तम: पुरुष: | | | |
| ७ | गम्-गच्छ् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| ८ | आ+गम् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| ९ | गै | उत्तम: पुरुष: | | | |
| १० | चल् | प्रथम: पुरुष: | | | |

# दिल्ली पब्लिक विद्यालय:- गान्धीनगरम्

## विषय:-  संस्कृतम्

## कक्षा-8

## लट् लकार - अभ्यास पत्रम्

# वर्तमानकाल( लट् लकार)

| पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथम: पुरुष: | बालक:<br>पठति। | बालकौ<br>पठत:। | बालका:<br>पठन्ति। |
| मध्यम: पुरुष: | त्वम् (तुम)<br>पठसि। | युवाम् (तुम दोनों )<br>पठथ:। | यूयम् (तुम सब)<br>पठथ। |
| उत्तम: पुरुष: | अहम् (मैं)<br>पठामि। | आवाम् ( हम दोनों)<br>पठाव:। | वयम् (हम सब)<br>पठाम:। |

१. लट् लकारस्य धातुरुपाणि पुरुष-अनुसारं लिखत।

| | धातु: | पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | अस् | प्रथम: पुरुष: | अस्ति | स्त: | सन्ति |
| २ | कथ् | मध्यम: पुरुष: | कथयसि | कथयथ: | कथयथ |
| ३ | कूर्द् | उत्तम: पुरुष: | | | |
| ४ | कृ | प्रथम: पुरुष: | | | |
| ५ | क्रीड् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| ६ | गम्-गच्छ् | उत्तम: पुरुष: | | | |
| ७ | गर्ज् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| ८ | दृश्-पश्य् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| ९ | नम् | उत्तम: पुरुष: | | | |
| १० | नी-नय् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| ११ | पठ् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| १२ | पत् | उत्तम: पुरुष: | | | |
| १३ | भू-भव् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| १४ | रक्ष् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| १५ | वद् | उत्तम: पुरुष: | | | |

## २. लट् लकारस्य उचितैः रूपैः रिक्तनस्थानानि पूरयत।

1. अहं ____________ । (पठ्)
2. आवां ____________ । (चल्)
3. वयं ____________ । (लिख्)
4. त्वं ____________ । (नम्)
5. युवां ____________ । (क्रीड्)
6. यूयं ____________ । (पत्)
7. सिंहः ____________ । (गर्ज्)
8. वानरौ ____________ । (कूर्द्)
9. शिक्षकः ____________ । (वद्)
10. बालः ____________ । (सिञ्चन्ति / सिञ्चथः / सिञ्चति )
11. ते बालाः ____________ । (श्रु)
12. सा ____________ । (कथ्)
13. तौ बालौ ____________ । (नृत्)
14. जनः ____________ । (नी)
15. जनकः ____________ । ( प्रविशति / प्रविशतः / प्रविशन्ति )

# दिल्ली पब्लिक विद्यालय:- गान्धीनगरम्

## विषय:-  संस्कृतम्

## कक्षा-8

## आज्ञार्थक: ( लोट् लकार:) - अभ्यास पत्रम्

# आज्ञार्थक: ( लोट् लकार:)

| पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथम: पुरुष: | बालक:<br>पठतु । | बालकौ<br>पठताम् । | बालका:<br>पठन्तु । |
| मध्यम: पुरुष: | त्वम् (तुम)<br>पठ । | युवाम् (तुम दोनों )<br>पठतम् । | यूयम् (तुम सब)<br>पठत । |
| उत्तम: पुरुष: | अहम् (मैं)<br>पठानि । | आवाम् ( हम दोनों)<br>पठाव । | वयम् (हम सब)<br>पठाम । |

१.निर्देशानुसारं लकारपरिवर्तनं कुरुत ।

| क्रम: | वाक्यानि | लकार | उत्तराणि |
|---|---|---|---|
| 1. | जनक: लेखनीम् आनयत् । | लट् लकार: | |
| 2. | कवि: श्लोकं लिखति । | लृट् लकार: | |
| 3. | ते नृत्यम् पश्यन्तु। | लङ् लकार: | |
| 4. | ते कुत्र गच्छन्ति ? | लोट् लकार: | |
| 5. | तानि पत्राणि पतिष्यन्ति । | लट् लकार: | |
| 6. | आरक्षक: दुष्टम् अताडयत् । | लृट् लकार: | |
| 7. | वयं भोजनं खादिष्याम: । | लङ् लकार: | |
| 8. | अहं पुस्तकानि आनयामि। | लोट् लकार: | |
| 9. | त्वं कार्यं करोषि । | लोट् लकार: | |
| 10. | यूयम् कोलाहलं मा कुरुथ । | लोट् लकार: | |

२. निर्देशानुसारं लोट् लकारस्य रूपाणि  रचयत ।

| क्रम: | धातु: | पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | पत् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| २ | पठ् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| ३ | भू | उत्तम: पुरुष: | | | |
| ४ | दा-यच्छ् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| ५ | भ्रम् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| ६ | क्रीड् | उत्तम: पुरुष: | | | |
| ७ | गम्-गच्छ् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| ८ | आ+गम् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| ९ | गै | उत्तम: पुरुष: | | | |
| १० | चल् | प्रथम: पुरुष: | | | |

# दिल्ली पब्लिक विद्यालय:- गान्धीनगरम्

## विषय:-  संस्कृतम्

## कक्षा-8

## भविष्यत्काल:( लृट् लकार)- अभ्यास पत्रम्

# भविष्यत्काल:( लृट् लकार)

| पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथम: पुरुष: | बालक: पठिष्यति। | बालकौ पठिष्यत:। | बालका: पठिष्यन्ति। |
| मध्यम: पुरुष: | त्वम् (तुम) पठिष्यसि। | युवाम् (तुम दोनों ) पठिष्यथ:। | यूयम् (तुम सब) पठिष्यथ। |
| उत्तम: पुरुष: | अहम् (मैं) पठिष्यामि। | आवाम् ( हम दोनों) पठिष्याव:। | वयम् (हम सब) पठिष्याम:। |

१. निर्देशानुसारं लृट् लकारस्य उचितं रूपं लिखत।

| | धातु: | पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | अस् | प्रथम: पुरुष: | भविष्यति | भविष्यत: | भविष्यन्ति |
| २ | क्रीड् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| ३ | गम्-गच्छ् | उत्तम: पुरुष: | | | |
| ४ | आ+गम् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| ५ | गै | मध्यम: पुरुष: | | | |
| ६ | चल् | उत्तम: पुरुष: | | | |
| ७ | इष् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| ८ | नी-नय् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| ९ | लिख् | उत्तम: पुरुष: | | | |
| १० | धाव् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| ११ | कृ | मध्यम: पुरुष: | | | |
| १२ | नम् | उत्तम: पुरुष: | | | |
| १३ | चल् | प्रथम: पुरुष: | | | |
| १४ | खाद् | मध्यम: पुरुष: | | | |
| १५ | खेल् | उत्तम: पुरुष: | | | |

२. लृट् लकारस्य उचितं रूपं रचयित्वा रिक्तयस्थानानि पूरयत ।

1. श्व: रविवासर: ____________ । (भू)

2. अत: अहं श्व: विद्यालयं ____________ । (गम्)

3. अहं गृहे एव ____________ । (पठ्)

4. अहं मित्रै: सह सायंकाले ____________ । (क्रीड्)

5. मम मित्राणि मम गृहम् ____________ । (आ+गम्)

6. मम जनक: अस्माकं कृते पुस्तकानि ____________ । (आ+नी)

7. अवकाशे वयं देहलीनगरं ____________ । (गम्)

8. अवकाशे यूयं किं ____________ ? (कृ)

9. ता: नर्तक्य: मञ्चे ____________ । (नृत्)

10. एतौ बालकौ तरणताले____________ । (तृ)

# विषय:- संस्कृतम्

# कक्षा-८

## पाठ:-१ आदिपूज्य: गणेश:

## (विशेषण – विशेष्य)

# परिभाषा

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाते हैं वह विशेषण कहलाते हैं तथा जिनकी विशेषता बतलाई जाए वे विशेष्य कहलाते हैं।

# उदाहरणम्

| पुंल्लिंगम् | स्त्रीलिंगम् | नपुंसकलिंगम् |
|---|---|---|
| योग्य: बालक: | योग्या बालिका | मधुरं आम्रम् |
| योग्यं बालकम् | योग्यां बालिकाम् | मधुरं आम्रम् |
| योग्येन बालकेन | योग्यया बालिकया | मधुरेण आम्रेण |

यह हमेशा स्मरण रखें कि विशेष्य के लिए जो लिंग, विभक्ति और वचन होंगे, वही लिंग, विभक्ति और वचन विशेषण के भी होंगे।

# ( तकारान्त पुंल्लिंग शब्द)
# भगवत्(भगवान्)

| विभक्ति | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथमा | भगवान्<br>( ने ) | भगवन्तौ | भगवन्त: |
| द्वितीया | भगवन्तम्<br>( को ) | भगवन्तौ | भगवत: |
| तृतीया | भगवता<br>( से / के द्वारा) | भगवद्भ्याम् | भगवद्भि: |
| चतुर्थी | भगवते<br>(को / के लिए) | भगवद्भ्याम् | भगवद्भ्य: |
| पञ्चमी | भगवत:<br>(से / पर से) | भगवद्भ्याम् | भगवद्भ्य: |
| षष्ठी | भगवत:<br>(का,के,की) | भगवतो: | भगवताम् |
| सप्तमी | भगवति<br>(में / पर) | भगवतो: | भगवत्सु |
| सम्बोधनम् | हे भगवन् ! | हे भगवन्तौ ! | हे भगवन्त: ! |

प्रत्ययाः

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भूत्वा | – | भू | + | क्त्वा | | | | उत्थाय | – | उत् | + | स्था | + | ल्यप् |
| बद्ध्वा | – | वध् | + | क्त्वा | | | | ज्ञातुम् | – | ज्ञा | + | तुमुन् | | |
| विचिन्त्य | – | वि | + | चिन्त् | + | ल्यप् | | उपविष्टः | – | उप | + | विश् | + | क्त |
| नियोजितवान् | – | नि | + | युज् | + | क्तवतु | | श्रुत्वा | – | श्रु | + | क्त्वा | | |
| निवारयितुम् | – | नि | + | वृ | + | तुमुन् | | कृत्वा | – | कृ | + | क्त्वा | | |

अव्ययाः

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सर्वदा | – | हमेशा | सह | – | साथ | न | – | नहीं |
| पुरा | – | पहले | झटिति | – | जल्दी | तद्यथा | – | जैसा कि |
| अद्य | – | आज | तत्र | – | वहाँ | प्रभृति | – | से लेकर |
| अतः | – | इसलिए | यत् | – | कि | मन्दं | – | धीरे |
| तर्हि | – | तो | अपि | – | भी | शीघ्रं | – | जल्दी |
| एव | – | ही | शनैः शनैः | – | धीरे-धीरे | इदानीम् | – | अब |
| इति | – | ऐसा | इव | – | के समान | अनन्तरं | – | पश्चात् |
| कथं | – | क्यों/किसलिए | यथा | – | जैसे | कदापि | – | कभी भी |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| उपपद-विभक्तिः | नमः | – | चतुर्थी | ॐ श्रीगणेशाय नमः |
| | क्रियासाधनम् | – | तृतीया | गणेशः स्ववाहनेन गच्छति |
| | सह | – | तृतीया | गणेशः कार्तिकेयेन सह उपविष्टः |

## अभ्यासः

1. एकपदेन उत्तरत।

(एक पद में उत्तर दीजिए। Answer in one word.)

(क) सर्वादौ कस्य आराधनं भवति? ..............................

(ख) गणेशः कयोः पुत्रः? ..............................

(ग) मातुः पितुः चरणेषु के सन्ति? ..............................

(घ) भाद्रपदमासस्य चतुर्थ्याम् कः उत्सवः भवति? ..............................

(ङ) गणेशस्य वाहनं किम्? ..............................

(च) गणेशस्य भ्राता कः? ..............................

**2. पूर्णवाक्येन उत्तरत।**

(पूरे वाक्य में उत्तर दीजिए। Answer in complete sentence.)

(क) आचार्य: कस्य कथां श्रावयति?

(ख) गणेशस्य वक्रशुण्ड: किं दर्शयति?

(ग) गणेशस्य लघुनेत्रे कस्या: सूचके?

(घ) कार्तिकेय: प्रदक्षिणां कृत्वा किम् अपृच्छत्?

(ङ) गणेश: पृथिव्या: परिक्रमाया: स्थाने कयो: परिक्रमां अकरोत्?

(च) गणेश: कार्तिकेयं किम् अवदत्?

**3. प्रश्ननिर्माणं कुरुत।**

(प्रश्नों का निर्माण कीजिए। Frame questions.)

(क) श्री गणेश: **कार्तिकेयेन** सह उपविष्ट: आसीत्। (केन/कस्मै)

(ख) गणेश: **शिवपार्वत्यो:** प्रदक्षिणां कृतवान्। (कस्यो:/कयो:)

(ग) **देवा:** शिवं प्रार्थयन्। (का:/के)

(घ) कार्तिकेय: **पृथ्वी-परिक्रमायै** प्रस्थानं अकरोत्। (किमर्थम्/कदा)

(ङ) कक्षायाम् श्रीगणेशस्य **सुसज्जिता** प्रतिमा अस्ति। (कीदृशी/कीदृश:)

(च) **जीवने** सर्वदा सकारात्मक: भवतु। (कुत्र/कदा)

4. समुचितं मेलनं कुरुत।
(उचित मिलान कीजिए। Match properly.)

| अ | ब |
|---|---|
| (क) दीर्घौ | (i) तिथिः |
| (ख) लम्बम् | (ii) श्रीगणेशस्य |
| (ग) चतुर्थी | (iii) कर्णौ |
| (घ) भगवान् | (iv) शुण्डः |
| (ङ) वक्रः | (v) शिवः |
| (च) भगवतः | (vi) उदरम् |

5. तकारान्त पुंल्लिङ्गशब्दानाम् उचितैः विभक्तिपदैः रिक्तस्थानानि पूरयत।
(तकारान्त पुल्लिंग शब्द के उचित विभक्ति पद से रिक्त स्थान पूरे कीजिए। Fill in the blanks from the right form of 'तकारान्त पुल्लिंग'.)

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथमा | भवान् | ........................ | ........................ |
| द्वितीया | भगवन्तं | ........................ | भगवतः |
| तृतीया | बुद्धिमता | ........................ | ........................ |
| चतुर्थी | श्रीमते | ........................ | श्रीमद्भ्याम् |
| पञ्चमी | बलवतः | ........................ | ........................ |
| षष्ठी | ........................ | भवतोः | ........................ |
| सप्तमी | ........................ | भगवतोः | ........................ |
| सम्बोधन | हे भगवान्! | ........................ | ........................ |

6. **संवादं पूरयत।**

(संवाद पूरे कीजिए। Complete the conversation.)

| वीणां, वन्दनार्पणं, प्रार्थनां, एकपात्राभिनयं, कुरुतः |
|---|

**प्रमुखः** – अद्य कार्यक्रमः कथं भोः? कः कः किं किं करोति इति वदतु।

**विशालः** – आगच्छतु वदामि।

**छात्राः** – नमस्कारः श्रीमन्।

**विशालः** – नमस्कारः। उपविशन्तु। एषा मधुरा, एषा अद्य ........................ (1) गायति। एतस्याः सखी दीक्षा ........................ (2) वादयति।

**प्रमुखः** – कार्यक्रमस्य निर्वहणं कः करोति?

**विशालः** – कार्यक्रमस्य सञ्चालनं राकेशः करोति स्वानुभवं गीता वदति। राजेशः ........................ (3) करोति। तौ किं कुरुतः इति न जानामि।

**नन्दीश** – मम मित्रं ........................ (4) करोति। एते द्वे बालिके विज्ञापनं ........................ (5)।

**प्रमुखः** – भवतु सर्वे मिलित्वा कार्यक्रमस्य यशस्विता यथा स्यात् तथा कुर्वन्तु।

## रचनात्मककार्यम्

- **गणेशस्तोत्राणां श्लोकानां च सङ्कलनं कुर्वन्तु, प्रार्थनासभायाम् गायन्तु च।**
  (Collect the verses related with Lord Ganesha and sing in assembly.)
- **गणेशस्य षड् नामानि लिखत।** (Write 6 names of Lord Ganesha.)

(क) गजाननः (ख) विना..................

(ग) लम्ब.................. (घ) ........................

(ङ) उमा.................. (च) ........................

- **देवैः सह उचितानि वाहनानि मेलयत।** (Match the Godsname with their appropriate vehicle.)

| देवाः | वाहनानि |
|---|---|
| (क) गणेशः | (*i*) सिंहः |
| (ख) कार्तिकेयः | (*ii*) ऐरावतः |
| (ग) इन्द्रः | (*iii*) मयूरः |
| (घ) शिवः | (*iv*) मूषकः |
| (ङ) दुर्गा | (*v*) वृषभः |

# अभ्यास

# उत्तर-पत्रम्

## 1. आदिपूज्यः श्रीगणेशः (विशेषणं, विशेष्यं एवं 'त्' कारान्त पुंल्लिङ्गम्)

1. (क) गणेशस्य (ख) शिवपार्वत्योः (ग) समस्तलोकाः
   (घ) गणेशचतुर्थी (ङ) मूषकः (च) कार्तिकेयः
2. (क) आचार्यः भगवतः श्रीगणेशस्य कथां श्रावयति।
   (ख) गणेशस्य वक्रशुण्डः दर्शयति यत् 'सफलतायाः मार्गः सुगमः न'।
   (ग) गणेशस्य लघुनेत्रे सूक्ष्मदर्शितायाः सूचके।
   (घ) कार्तिकेयः अपृच्छत् गणेशः कथं परिक्रमां न अकरोत्?
   (ङ) गणेशः पृथिव्याः परिक्रमायाः स्थाने मातापित्रोः शिवपार्वत्योः परिक्रमां अकरोत्?
   (च) गणेशः कार्तिकेयं अवदत् – मातुः पितुः च चरणेषु एव समस्तलोकाः सन्ति अतः अहं तयोः एव परिक्रमाम् अकरवम्।
3. (क) केन (ख) कयोः (ग) के (घ) किमर्थम् (ङ) कीदृशी (च) कुत्र
4. (क) दीर्घौ – (*iii*) कर्णौ (ख) लम्बम् – (*vi*) उदरम् (ग) चतुर्थी – (*i*) तिथि
   (घ) भगवान् – (*v*) शिवः (ङ) वक्रः – (*iv*) शुण्डः (च) भगवतः – (*ii*) श्रीगणेशस्य
5.

| | **एकवचनम्** | **द्विवचनम्** | **बहुवचनम्** |
|---|---|---|---|
| प्रथमा | भवान् | भवन्तौ | भवन्तः |
| द्वितीया | भगवन्तं | भगवन्तौ | भगवतः |
| तृतीया | बुद्धिमता | बुद्धिमद्भ्याम् | बुद्धिमद्भ्यः |
| चतुर्थी | श्रीमते | श्रीमद्भ्याम् | श्रीमद्भ्यः |
| पञ्चमी | बलवतः | बलवद्भ्याम् | बलवद्भ्यः |
| षष्ठी | भवतः | भवतोः | भवताम् |
| सप्तमी | भगवति | भगवतोः | भगवत्सु |
| सम्बोधन | हे भगवान्! | हे भगवन्तौ | हे भगवन्तः |

2. (1) प्रार्थनां (2) वीणां (3) वन्दनार्पणं (4) एकपात्राभिनयं (5) कुरुतः

# विषयः- संस्कृतम्

# कक्षा-८

## पाठः-२ प्रथमः कूपः

## (क्तवतु प्रत्ययः, राजन्)

# ( नकारान्त पुंल्लिंग शब्द)
# राजन्(राजा)

| विभक्ति | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथमा | राजा<br>( ने ) | राजानौ | राजान: |
| द्वितीया | राजानम्<br>( को ) | राजानौ | राज्ञ: |
| तृतीया | राज्ञा<br>( से / के द्वारा) | राजभ्याम् | राजभि: |
| चतुर्थी | राज्ञे<br>(को / के लिए) | राजभ्याम् | राजभ्य: |
| पञ्चमी | राज्ञ:<br>(से / पर से) | राजभ्याम् | राजभ्य: |
| षष्ठी | राज्ञ:<br>(का,के,की) | राज्ञो: | राज्ञाम् |
| सप्तमी | राज्ञि<br>(में / पर) | राज्ञो: | राजसु |
| सम्बोधनम् | हे राजन् ! | हे राजानौ ! | हे राजान: ! |

उच्चैः पठत।

Speak loudly.

| मूलधातुः | क्तवतु प्रत्ययः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|---|
| गतवन्तः/गतवान् | गम् + क्तवतु | गतवान् | गतवन्तौ | गतवन्तः |
| उक्तवन्तः | वच् + क्तवतु | उक्तवान् | उक्तवन्तौ | उक्तवन्तः |
| प्रेषितवान् | प्रेष् + क्तवतु | प्रेषितवान् | प्रेषितवन्तौ | प्रेषितवन्तः |
| अन्विष्टवन्तः | अन् + इष + क्तवतु | अन्विष्टवान् | अन्विष्टवन्तौ | अन्विष्टवन्तः |
| आगतवन्तः | आ + गम् + क्तवतु | आगतवान् | आगतवन्तौ | आगतवन्तः |
| प्राप्तवान् | प्र + आप् + क्तवतु | प्राप्तवान् | प्राप्तवन्तौ | प्राप्तवन्तः |
| उपविष्टवान् | उप् + विश् + क्तवतु | उपविष्टवान् | उपविष्टवन्तौ | उपविष्टवन्तः |
| कथितवान् | कथ् + क्तवतु | कथितवान् | कथितवन्तौ | कथितवन्तः |
| आगतवान् | आ + गम् + क्तवतु | आगतवान् | आगतवन्तौ | आगतवन्तः |
| त्रोटितवान् | त्रुट् + क्तवतु | त्रोटितवान् | त्रोटितवन्तौ | त्रोटितवन्तः |
| स्थापितवान् | स्था + क्तवतु | स्थापितवान् | स्थापितवन्तौ | स्थापितवन्तः |
| खनितवन्तः | खन् + क्तवतु | खनितवान् | खनितवन्तौ | खनितवन्तः |
| दृष्टवान् | दृश + क्तवतु | दृष्टवान् | दृष्टवन्तौ | दृष्टवन्तः |
| कृतवान् | कृ + क्तवतु | कृतवान् | कृतवन्तौ | कृतवन्तः |
| आदिष्टवान् | आ + दिश् + क्तवतु | आदिष्टवान् | आदिष्टवन्तौ | आदिष्टवन्तः |
| कृतवत्यः | कृ + क्तवतु + ई (स्त्री.) | कृतवती | कृत्वत्यौ | कृत्वत्यः |
| उपविष्टवती | उप् + विश् + क्तवतु +ई (स्त्री.) | उपविष्टवती | उपविष्टवत्यौ | उपविष्टवत्यः |
| सूचितवती | सूच् + क्तवतु + ई (स्त्री.) | सूचितवती | सूचितवत्यौ | सूचितवत्यः |
| नीतवती | नीत् + क्तवतु + ई (स्त्री.) | नीतवती | नीतवत्यौ | नीतवत्यः |

# अभ्यास:

1. **एकपदेन उत्तरत।**
   (एक पद में उत्तर दीजिए। Answer in one word.)
   (क) सरोवरं परितः किम् आसीत्? ..............................................
   (ख) सरोवरः कीदृशः अभवत्? ..............................................
   (ग) कानि शुष्काणि जातानि सन्ति? ..............................................
   (घ) राजा कासु सेनापतीन् प्रेषितवान्? ..............................................
   (ङ) का तत्र आगत्य उपविष्टवती? ..............................................
   (च) कः विशालं खण्डं त्रोटितवान्? ..............................................

2. **पूर्णवाक्येन उत्तरत।**
   (पूरे वाक्य में उत्तर दीजिए। Answer in complete sentence.)
   (क) धीवराः किम् उक्तवन्तः?
   ..........................................................................................................................
   (ख) के रिक्तहस्ताः नगरं प्रति आगतवन्तः?
   ..........................................................................................................................
   (ग) सेनापतिः कुत्र किम् प्राप्तवान्?
   ..........................................................................................................................
   (घ) वृद्धा महिला किम् अवदत्?
   ..........................................................................................................................
   (ङ) छादनात् पूर्वम् किम् अभवत्?
   ..........................................................................................................................
   (च) गर्तं दृष्ट्वा राजा किम् उक्तवान्?
   ..........................................................................................................................

3. **प्रश्ननिर्माणं कुरुत।**
   (प्रश्नों का निर्माण कीजिए। Frame questions.)
   (क) **सरोवरं** परितः लघुराज्यम् आसीत्।
   ..........................................................................................................................

(ख) **ग्रीष्मे** वृष्टिः न अभवत्।

..........................................................................................

(ग) सरोवरः **शुष्कः** जातः।

..........................................................................................

(घ) जनाः उद्विग्नमनाः अभवन्।

..........................................................................................

(ङ) वृद्धा **पर्वतगुहायां** नीतवती।

..........................................................................................

(च) गर्ते **जलम्** अस्ति।

..........................................................................................

**4. 'राजन्' शब्दस्य उचितं रूपं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।**

('राजन्' शब्द के उचित रूप से रिक्तस्थान पूरे कीजिए। Fill in the blanks from the right form of the word 'राजन्'.)

| राज्ञः, राज्ञा, राजा, हे राजन्, राज्ञे |
|---|

(क) ......................! अस्मान् रक्षतु।

(ख) ...................... सेनापतीन् प्रेषितवान्।

(ग) पण्डितः ...................... आशीर्वादं यच्छति।

(घ) ...................... नाम जनकः आसीत्।

(ङ) मन्त्री ...................... सह चर्चां करोति।

**5. उचितं पदानाम् मेलनम् कुरुत।**

(उचित पद का मिलान कीजिए। Match properly.)

| अ | | ब |
|---|---|---|
| (क) प्रथमः | (i) | देशः |
| (ख) शुष्काणि | (ii) | बीजं |
| (ग) पिपासितः | (iii) | क्षेत्राणि |
| (घ) अदृश्यं | (iv) | हिमशङ्कुः |
| (ङ) विशालः | (v) | कूपः |

6. क्तवतु प्रत्ययस्य योग्यरूपैः रिक्तस्थानानि पूरयत।

(क्तवतु प्रत्यय के योग्य रूप से रिक्त स्थान पूरे कीजिए। Fill in the blanks from the appropriate form of 'क्तवतु प्रत्यय'.)

(क) ते तत् गर्तं गभीरं ..............................। (खन् + क्तवतु)

(ख) सर्वे आश्चर्येण तत् हिमखण्डं ..............................। (दृश् + क्तवतु)

(ग) राजा सर्वासु दिशासु सेनापतीन् ..............................। (प्रेष् + क्तवतु)

(घ) कापि वृद्धा तत्र आगत्य ..............................। (उप + विश् + क्तवतु)

(ङ) ते तत् बीजं गर्ते ........................। (स्था + क्तवतु)

(च) ते जलम् ........................। (अनु + इष् + क्तवतु)

## रचनात्मककार्यम्

- दृश्यश्रव्यवाहिनी-माध्यमेन संस्कृतकथादर्शनं कुर्वन्तु। (See the Sanskrit animated story on Youtube, www.bookbox.com Sanskrit stories.)
- संस्कृते एकस्याः लघुचित्रकथायाः निर्माणं कुरुत। (Make one short comic story in Sanskrit.)

# अभ्यासः

## उत्तर-पत्रम्

### 2. प्रथमः कूपः (क्तवतु प्रत्ययः, राजन्)

1. (क) लघुराज्यम् (ख) शुष्कः (ग) क्षेत्राणि
   (घ) दिशासु (ङ) वृद्धा (च) सेनापतिः

2. (क) धीवराः उक्तवन्तः "दीर्घकालं यावत् वृष्टिः न अभवत्। अस्माकं क्षेत्राणि शुष्कानि जातानि सन्ति। सरोवरे मत्स्यग्रहणार्थं मत्स्याः न सन्ति। कथम् आजीविकां प्राप्स्यामः? हे राजन्! अस्मान् रक्षतु।"
   (ख) त्रयः सेनापतयः रिक्तहस्ताः नगरं प्रति आगतवन्तः।
   (ग) सेनापतिः पर्वते एकं शीतग्रामम् प्राप्तवान्।
   (घ) वृद्धा महिला अवदत् – "एतत् हिमम् इति। गृहाण किञ्चित्। तव देशः कदापि पिपासितः न स्थास्यति इति।"
   (ङ) छादनात् पूर्वं तत् बीजम् अदृश्यम् अभवत्।
   (च) गर्तं दृष्ट्वा राजा उक्तवान् – "जाग्रत मम प्रजाः। जलबीजम् अङ्कुरितम्। गर्ते जलम् अस्ति।"

3. (क) कम् परितः लघुराज्यम् आसीत्? (ख) कदा वृष्टिः न अभवत्?
   (ग) सरोवरः कीदृशः जातः? (घ) के उद्विग्नमनाः अभवन्?
   (ङ) वृद्धा कस्याम् नीतवती? (च) गर्ते किम् अस्ति?

4. (क) **हे राजन्!** अस्मान् रक्षतु। (ख) **राजा** सेनापतीन् प्रेषितवान्।
   (ग) पण्डितः **राज्ञे** आशीर्वादं यच्छति। (घ) **राज्ञः** नाम जनकः आसीत्।
   (ङ) मन्त्री **राज्ञा** सह चर्चां करोति।

5. (क) प्रथमः – (*v*) कूपः (ख) शुष्काणि – (*iii*) क्षेत्राणि (ग) पिपासितः – (*i*) देशः
   (घ) अदृश्यं – (*ii*) बीजं (ङ) विशालः – (*iv*) हिमशङ्कुः

6. (क) खनितवन्तः (ख) दृष्टवन्तः (ग) प्रेषितवान्
   (घ) उपविष्टवती (ङ) स्थापितवन्तः (च) अन्विष्टवन्तः

# विषय:-संस्कृतम्

# कक्षा-८

## कारक विभक्तिः तथा उपपद विभक्तिः

# कारक विभक्तिः

| विभक्ति | कारक | चिह्न |
|---|---|---|
| प्रथमा | कर्ता | ने |
| द्वितीया | कर्म | को (To) |
| तृतीया | करण | से, के द्वारा ( By) |
| चतुर्थी | सम्प्रदान | को, के लिए ( For) |
| पञ्चमी | अपादान | से ( अलग होने पर) ( From) |
| षष्ठी | सम्बन्ध | का, के, की, रा, रे, री ( Of) |
| सप्तमी | अधिकरण | में, पर ( In, At, On) |
| सम्बोधन | सम्बोधन | अरे ! |

# कर्मकारक (द्वितीया विभक्ति:)

## चिह्नम् (Symbol)- (को) (To)

परिभाषा- जिस पर क्रिया का प्रभाव पडता है, उसे कर्मकारक कहते हैं।

| शब्द | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| बालक | बालकम् | बालकौ | बालकान् |
| माला | मालाम् | माले | माला: |
| देवी | देवीम् | देव्यौ | देवी: |
| मति | मतिम् | मत्यौ | मती: |
| फलम् | फलम् | फले | फलानि |

## वाक्यप्रयोगः

उदाहरणम्- सुरेशः कार्यालयं गच्छति ।

| | | |
|---|---|---|
| सुरेशः | कार्यालयः<br>वित्तकोषः<br>प्रकोष्ठः<br>विद्यालयः<br>आपणः<br>पुस्तकालयः | गच्छति |

बालिका

पर्णम्
चित्रम्
पुष्पम्
व्यजनम्
वातायनम्
दूरदर्शनम्

पश्यति

# उपपद विभक्तिः

जब विशेष शब्द व धातु के कारण विशेष विभक्ति का प्रयोग किया जाता है तो उसे उपपद विभक्ति कहते हैं।

- गम्(गच्छ)-जाना

  उदा- छात्राः विद्यालयं गच्छन्ति ।
- प्रच्छ्- पूछना

  उदा- छात्रः अध्यापकं प्रश्नं पृच्छति ।
- उभयतः -( दोनों ओर)

  उदा- मार्गम् उभयतः वृक्षाः सन्ति ।
- प्रति - ( ओर)

  उदा- कृषकः ग्रामं प्रति गच्छति ।

धिक्-(धिक्कार)

रक्ष्- ( रक्षा करना)

याच्-(माँगना)

नम्-( नमस्कार करना)

विना-(बिना)

परितः- (चारों ओर)

# करणकारक (तृतीया विभक्ति:)

## चिह्नम् (Symbol)- (से / के द्वारा) (By)

परिभाषा- जिस साधन के द्वारा कार्य किया जाए, उसे करणकारक कहते हैं।

| शब्द | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| बालक | बालकेन | बालकाभ्याम् | बालकै: |
| माला | मालया | मालाभ्याम् | मालाभि: |
| देवी | देव्या | देवीभ्याम् | देवीभि: |
| मति | मत्या | मतिभ्याम् | मतीभि: |
| फलम् | फलेन | फलाभ्याम् | फलै: |

# वाक्यप्रयोग:

उदा.- माता हस्तेन कार्यं करोति ।

| | | |
|---|---|---|
| माता | हस्तः | कार्यम् |
| शिक्षकः | दण्डः | ताडनम् |
| भगिनी | गुडः | मधुरम् |
| सैनिकः | खड्गः | युद्धम् |
| सर्पः | दन्तः | दशनम् |
| कृष्णः | सुधाखण्डः | लेखनम् |

करोति

| | | | |
|---|---|---|---|
| अहम् | मित्रम् | सह | क्रीडामि |
| | जनक: | | गच्छामि |
| | भगिनी | | पठामि |

# उपपद विभक्तिः

जब विशेष शब्द व धातु के कारण विशेष विभक्ति का प्रयोग किया जाता है तो उसे उपपद विभक्ति कहते हैं।

- **सह- (साथ)**

  उदा- सीता रामेण सह वनं गच्छति।

- **विना- ( के बिना)**

  उदा- पुत्र: जनकेन विना न गच्छति।

- **अलम् -( मत करो)**

  उदा- अलम् वार्तालापेन।

- **अंगविकार**

  उदा- भिक्षुक: नेत्रेण काण: अस्ति।

साकम्- ( साथ )

सार्धम्- ( साथ )

हीन- (रहित )

# सम्प्रदानकारक (चतुर्थी विभक्ति:)

## चिह्नम् (Symbol)- (को / के लिए) (For)

परिभाषा- कर्ता जिसके लिए क्रिया करता है, उसे सम्प्रदानकारक कहते हैं।

| शब्द | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| बालक | बालकाय | बालकाभ्याम् | बालकेभ्य: |
| माला | मालायै | मालाभ्याम् | मालाभ्य: |
| देवी | देव्यै | देवीभ्याम् | देवीभ्य: |
| मति | मत्यै | मतिभ्याम् | मतीभ्य: |
| फलम् | फलाय | फलाभ्याम् | फलेभ्य: |

# वाक्यप्रयोग:

उदा.- सः युवकाय धनं (ददाति / यच्छति) ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| | युवकः | धनम् | |
| | शिक्षकः | पुस्तकम् | |
| | ग्राहकः | वस्तु | |
| सः | अर्चकः | दक्षिणाम् | ददाति |
| | कर्मकरः | अन्नम् | |
| | क्रीडकः | कन्दुकम् | |

# उपपद विभक्तिः

जब विशेष शब्द व धातु के कारण विशेष विभक्ति का प्रयोग किया जाता है तो उसे उपपद विभक्ति कहते हैं।

- नमः - (नमस्कार)

  उदा- गणेशाय नमः।

- रुच्- ( अच्छा लगना)

  उदा- ऋषिकेशाय संस्कृतम् रोचते।

- कुप्/ क्रुध् –( क्रोध करना)

  उदा- माता पुत्राय न क्रुध्यति / कुप्यति।

# अभ्यास:

➢ अधोदत्तानि रिक्तस्थानानि उचितैः रुपैः पूरयत ।

१) अहम् __________ प्रति गच्छामि । ( विद्यालयात् / विद्यालयम् )

२) बालिका __________ सह आपणं गच्छति । ( जनकम् / जनकेन )

३) त्वं __________ मार्गदर्शनं यच्छति । ( मित्रेण / मित्राय )

४) __________ नमः । ( सरस्वत्यै / सरस्वतीम् )

५) मम __________ परितः वृक्षाः सन्ति । ( गृहम् / गृहात् )

# अपादानकारक (पञ्चमी विभक्ति:)

## चिह्नम् (Symbol)- (से / पर से) (From)

परिभाषा-  अलग होने के भाव में जहाँ से कोई वस्तु अलग हो उसे अपादानकारक कहते हैं।

| शब्द | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| बालक | बालकात् | बालकाभ्याम् | बालकेभ्य: |
| माला | मालाया: | मालाभ्याम् | मालाभ्य: |
| देवी | देव्या: | देवीभ्याम् | देवीभ्य: |
| मति | मत्या: | मतिभ्याम् | मतीभ्य: |
| फलम् | फलात् | फलाभ्याम् | फलेभ्य: |

# वाक्यप्रयोगः

उदा.- रोहनः गृहात् मन्दिरं गच्छति ।

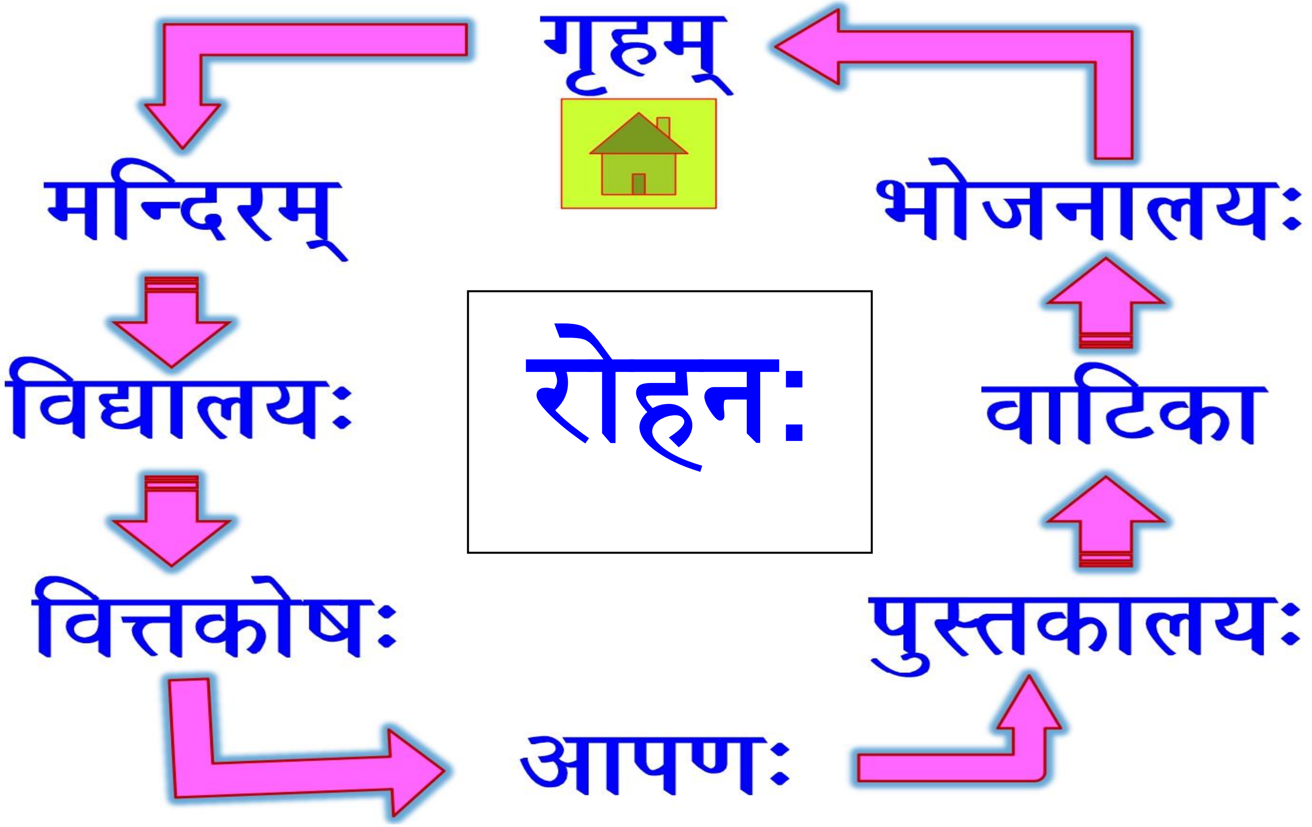

# उपपद विभक्तिः

जब विशेष शब्द व धातु के कारण विशेष विभक्ति का प्रयोग किया जाता है तो उसे उपपद विभक्ति कहते हैं।

- बहि: - ( बाहर )

उदा- नगरात् बहि: कूप: अस्ति।

- अनन्तरम् – ( बाद में ) तथा प्राक् ( पूर्व)

उदा- सूर्योदयात् अनन्तरम् आतप: वर्धते।
सूर्योदयात् प्राक् अन्धकार: भवति।

- प्रभृति –( से )

उदा- हिमालयात् प्रभृति भारतसीमा प्रारभ्यते।

- भी –( डरना )

उदा- बालक: वानरात् बिभेति।

# सम्बन्धकारक (षष्ठी विभक्तिः)

## चिह्नम् (Symbol)- का, के, की, रा, रे, री ( Of )

परिभाषा- दो शब्दों के बीच का सम्बन्ध बताने के लिए षष्ठी विभक्ति का प्रयोग किया जाता है ।

| शब्द | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| बालक | बालकस्य | बालकयोः | बालकानाम् |
| माला | मालायाः | मालयोः | मालानाम् |
| देवी | देव्याः | देव्योः | देवीनाम् |
| मति | मत्याः / मतेः | मत्योः | मतीनाम् |
| फलम् | फलस्य | फलयोः | फलानाम् |

# वाक्यप्रयोगः

उदा.- रामस्य पुत्रः लवः अस्ति ।

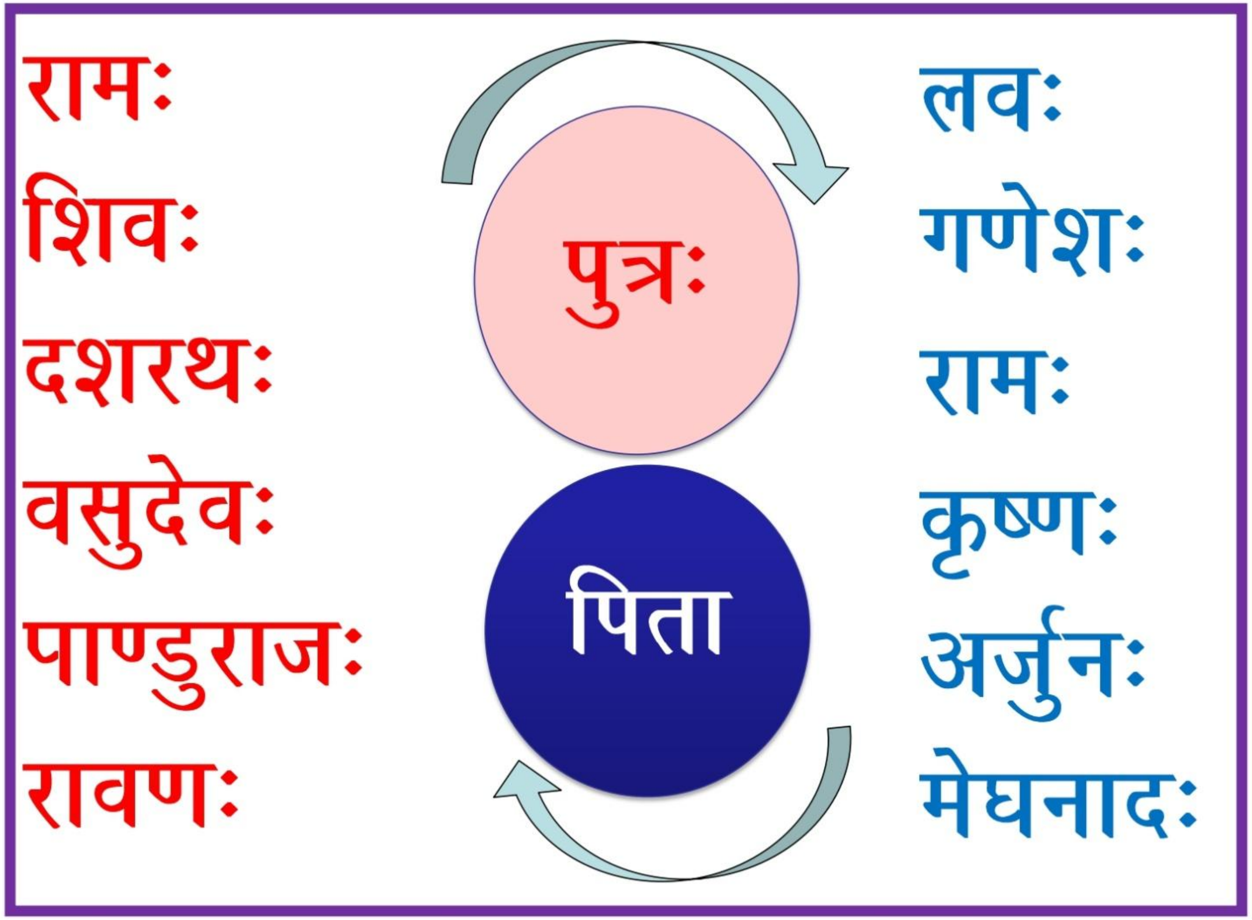

## उपपद विभक्तिः

**जब विशेष शब्द व धातु के कारण विशेष विभक्ति का प्रयोग किया जाता है तो उसे उपपद विभक्ति कहते हैं।**

- उपरि - ( ऊपर )

**उदा- वृक्षस्य उपरि वानरा: कूर्दन्ति।**

- **वाक्यानि रचयित्वा - अभ्यासं कुरुत।**

| | |
|---|---|
| अध:- नीचे | अग्रे- आगे |
| पुरत:- सामने | मध्ये - ( बीच में) |
| पृष्ठत: - ( पीछे) | |

# अधिकरणकारक (सप्तमी विभक्तिः)

## चिह्नम् (Symbol)- में / पर ( In, At, On )

परिभाषा- क्रिया के आधार को अधिकरण कारक कहते हैं ।

| शब्द | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| बालक | बालके | बालकयो: | बालकेषु |
| माला | मालायाम् | मालयो: | मालासु |
| देवी | देव्याम् | देव्यो: | देवीषु |
| मति | मत्याम् / मतौ | मत्यो: | मतिसु |
| फलम् | फले | फलयो: | फलेषु |

# वाक्यप्रयोग:

उदा.- मीन: **नद्याम्** अस्ति ।

| | | |
|---|---|---|
| मीनः | नदी | |
| औषधम् | कूपी | |
| मशी | लेखनी | अस्ति |
| सूची | घटी | |
| गङ्गा | काशी | |
| यमुना | देहली | |

# उपपद विभक्तिः

**जब विशेष शब्द व धातु के कारण विशेष विभक्ति का प्रयोग किया जाता है तो उसे उपपद विभक्ति कहते हैं ।**

- **स्निह् - ( स्नेह )**

**उदा- माता पुत्रे स्निह्यति।**

- **विश्वस् - ( विश्वास )**

**उदा- पिता पुत्रे विश्वसिति।**

- **कुशल,निपुण,पटु,प्रवीण(निपुण) के साथ-**

**उदा- छात्रेषु रामः कुशलः अस्ति ।**

# अभ्यासः

➢ **उपपदविभक्तेः आधारेण रिक्तस्थानानि पूरयत ।**

| | | उत्तराणि |
|---|---|---|
| 1. भिक्षुकः ___________ प्रति अगच्छत् । | (नगर) | नगरम् |
| 2. ___________ बहिः केचन बालकाः क्रीडन्ति । | (गृह) | गृहात् |
| 3. ___________ उपरि वानराः कूर्दन्ति । | (वृक्ष) | वृक्षस्य |
| 4. ___________ अधः एकः कुक्कुरः आसीत् । | (कारयान) | कारयानस्य |
| 5. बालिका ___________ सह मन्दिरं गच्छति । | (माता) | मात्रा |
| 6. ___________ अन्तः शान्तिः अस्ति । | (पुस्तकालय) | पुस्तकालयस्य |
| 7. अलम् _____________। | (वार्तालाप) | वार्तालापेन |
| 8. सः ____________ सह सम्भाषम् अकरोत् । | (तत्-पुं.) | तेन |
| 9. _____________नमः । | (मुनि) | मुनये |
| 10. ___________ विना जीवनं नास्ति । | (जल) | जलेन |

# विषय:- संस्कृतम्
# कक्षा-८
# पाठ-३ इयम् आकाशवाणी
## अभ्यास:

| | | |
|---|---|---|
| **प्र-१** | **एकपदेन उत्तरत** | **उत्तराणि** |
| क) | विद्यालयस्य छात्रा: कस्य साक्षात्कारं स्वीकुर्वन्ति ? | **बलदेवानन्दमहोदयस्य** |
| ख) | श्रीबलदेवानन्दमहोदयस्य पिता किं कार्यं करोति स्म ? | **कृषिकार्यम्** |
| ग) | क: सागरमहोदयस्य प्रशंसां कृतवान् ? | **राष्ट्रपति: /<br>डॉ. शङ्कर-दयाल-शर्मा** |
| घ) | बलदेवानन्दमहोदयस्य संस्कृतसम्भाषणस्यारम्भ: कुत्र अभवत् ? | **काश्याम्** |
| | | |
| **प्र-४** | **उपपद-विभक्ते: योग्यं रुपं रचयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।** | |
| क) | _____________ पुरत: छात्रा: सन्ति। | **अध्यापकस्य** |
| ख) | पुत्री _________ सह भ्रमति। | **जनन्या** |
| ग) | किम् अहं _________ साकं गच्छामि ? | **पित्रा** |
| घ) | _______ प्राक् शनिवासर: भवति। | **रविवासरात्** |
| **ङ)** | अहं ________ पूर्वं प्रार्थनां करोमि। | **पठनात्** |
| **प्र-५** | **तत् सर्वनाम्न: उचितेन रुपेण रिक्तस्थानानि पूरयत।** | |
| क) | __________भारतस्य राष्ट्रपति: अस्ति। | **स:** |
| ख) | किम् अहं ___________ बालिकया सह क्रीडामि। | **तया** |
| ग) | मम पिता ____________ भिक्षुकाय धनम् अयच्छत्। | **तस्मै** |
| घ) | _________ मम भगिनी अस्ति। | **सा** |
| **ङ)** | _________ वने सिंह: वसति। | **तस्मिन्** |
| | | |

# पाठ:५ विश्वमानवा:

## अभ्यास-प्रश्ना:

## उत्तराणि

1. (क) सत्य-नडेला (ख) शिवसुब्रमण्य-नादर: (ग) शिवसुब्रमण्य-नादर:
   (घ) भारतीयप्रौद्योगिकीसंस्थाने (ङ) राम: (च) सुन्दरपिचाई
2. केशव: **उद्यानम्** प्रति गच्छति। स: **उद्यानात्** बहि: मित्रं मिलति। तत्र स: **मित्रेण** सह खेलति। पश्चात् तौ **वृक्षस्य** अध: उपविशत:। तत्र एक: दीन: बालक: आगच्छति। तस्य मित्रं तस्मै **बालकाय** चाकलेहं ददाति। अनन्तरं तौ पुन: गृहं गच्छत:।
3.

| (अ) | (ब) |
|---|---|
| (क) अभियान्त्रिकी शिक्षा | (*iv*) Engineering |
| (ख) नायक: | (*i*) Captain |
| (ग) सूचना-प्रौद्योगिकी-जनक: | (*v*) Father of IT. |
| (घ) मुख्य-कार्यकारी-अधिकारी | (*vi*) Chief Executive Officer |
| (ङ) विद्युदभियन्ता | (*ii*) Electrical Engineer |
| (च) भारतीय-प्रौद्योगिकी-संस्था | (*iii*) Indian Institute of Technology |

4. (क) राजा कवे: कृते पुरस्कारं ददाति (ख) पिता मातु: कृते शाटिकाम् आनयति।
   (ग) जना: स्वास्थ्यस्य कृते व्यायामं कुर्वन्ति। (घ) अहं पठनस्य कृते विद्यालयं गच्छामि।
   (ङ) भ्राता भगिन्या: कृते पुस्तकानि ददाति।
5. (क) एते भारतस्य गौरवम् वर्धयन्ति (ख) सुन्दर: खड्गपुरे पठति
   (ग) स: माइक्रोसोफ्ट संस्थाने कार्यारम्भम् करोति। (घ) शिव: 'एच०सी०एल०' संस्थानम् स्थापयति
   (ङ) तत्र: बालका: खेलन्ति।
6. (क) त्रीणि (ख) एकस्याम् (ग) षड्भि: (घ) एकस्मै (ङ) पञ्च
7. (क) इदं चित्रम् **लताया:** अस्ति। (ख) **एषा** प्रसिद्ध-**गायिका** अस्ति।
   (ग) **एषा** भारतस्य गौरवम् **अस्ति।** (घ) **एषा चलचित्राणाम् अनेकानि गीतानि अगायत्।**
   (ङ) **एषा भजनानि स्तोत्राणि चापि अगायत्।**

# स्वरसन्धिः

## सन्धिः(संहिता)

“परः सन्निकर्षः संहिता ॥ (पाणिनीय सूत्र) के अनुसार, अक्षरों के अतिशय समीपता के कारण उत्पन्न कोई भी विकार या परिवर्तन को संहिता (संधि) कहते है ।

**संहिता एकपदे नित्या, नित्या धातुपसर्गयोः । नित्या समासे, वाक्ये तु सा विवक्षामपेक्षते ॥**

अर्थात् – संहिता(संधि) एक पदमें, धातु तथा उपसर्ग में और समास में नित्य होती है । वाक्य में संधि वक्ता की विवक्षा पर निर्भर है। जैसे –

- एक पद में - परि + नामः = परिणामः
- धातु + उपसर्ग - अनु + अगच्छत् = अन्वगच्छत्
- समास में - विद्या + आलयः = विद्यालयः
- वाक्य में - विवेकः गृहम् गच्छति = विवेकः गृहं गच्छति / गृहङ्गच्छति।

## प्रकार

१) स्वरसन्धिः २) व्यंजनसन्धिः ३) विसर्गसन्धिः

## स्वरसन्धिः

### १) स्वरसन्धिः

### १.१) दीर्घसन्धिः (सवर्णसन्धिः/सजातीय-स्वरसन्धिः) (अकः सवर्णे दीर्घः । पा.सू.६।१।१०१)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| अ/आ | + | अ/आ | = | आ |
| इ/ई | + | इ/ई | = | ई |
| उ/ऊ | + | उ/ऊ | = | ऊ |
| ऋ/ॠ | + | ऋ/ॠ | = | ॠ |

**ह्रस्वस्वरः/दीर्घस्वरः + ह्रस्वस्वरः/दीर्घस्वरः = दीर्घस्वरः**

- सन्धि में वर्णों का उच्चारण स्थान का महत्त्व है ।
- अधोलिखित शब्दों को ध्यान में रखिए ।
  ईक्षा, ईशः, ईश्वरः, वधूः, इन्द्रः, उदयः, ऊर्मिः, ऊर्जा, ऊर्ध्वम्, ऐश्वर्यम्, ऐक्यम्, ओषधिः
- तथैव – रु ≠ रू, त्त = क्त, ऋ ≠ ॠ, पितृ-पितॄणाम्

# स्वरसन्धिः

अभ्यासः –

(अधोलिखित उदाहरणों को ध्यान से पढिए। यथा – *सूर्य+अस्तः = सूर्यास्तः = सूर्य+अस्तः*)

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | सूर्य | + | अस्तः | = | सूर्यास्तः | ११ | सुखार्थी | = | सुख | + | अर्थी |
| २ | वेद | + | अन्तः | = | वेदान्तः | १२ | परमार्थः | = | परम | + | अर्थः |
| ३ | वसन्त | + | आगमः | = | वसन्तागमः | १३ | विद्यार्थी | = | विद्या | + | अर्थी |
| ४ | मुनि | + | इन्द्रः | = | मुनीन्द्रः | १४ | अभीष्टः | = | अभि | + | इष्टः |
| ५ | देवी | + | इयम् | = | देवीयम् | १५ | रजनी | = | रजनी | + | ईशः |
| ६ | साधु | + | उदयः | = | साधूदयः | १६ | गुरूपदेशः | = | गुरु | + | उपदेशः |
| ७ | सु | + | उक्तिः | = | सूक्तिः | १७ | इन्दूदयः | = | इन्दु | + | उदयः |
| ८ | लघु | + | ऊर्मिः | = | लघूर्मिः | १८ | भानूर्जा | = | भानु | + | ऊर्जा |
| ९ | वधू | + | उत्सवः | = | वधूत्सवः | १९ | भूर्जा | = | भू | + | ऊर्जा |
| १० | पितृ | + | ऋणम् | = | पितृणम् | २० | दातृणम् | = | दातृ | + | ऋणम् |

# स्वरसन्धिः

## १.२) गुणसन्धिः (अदेङ् गुणः।१।१।२, आद्गुणः । पा.सू.६।१।८७)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| अ/आ | + | इ/ई | = | ए |
| | + | उ/ऊ | = | ओ |
| | + | ऋ/ॠ | = | अर् |

नर + ईशः

न् अ र् [अ + ई] श् अ :

ए

न् अ र् ए श् अ :

नरेशः

देव + ऋषिः

द् ए व् [अ + ॠ] ष् इ :

अर्

द् ए व् अर् ष् इ :

देवर्षिः

# स्वरसन्धिः

अभ्यासः –

(अधोलिखित उदाहरणों को ध्यान से पढिए। यथा – *धन+इन्द्रः = धनेन्द्रः = धन+इन्द्रः*)

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | नर | + | इन्द्रः | = | नरेन्द्रः |
| २ | गङ्गा | + | इति | = | गङ्गेति |
| ३ | सुर | + | ईश्वरः | = | सुरेश्वरः |
| ४ | महा | + | ईशः | = | महेशः |
| ५ | हित | + | उपदेशः | = | हितोपदेशः |
| ६ | सर्व | + | उदयः | = | सर्वोदयः |
| ७ | महा | + | उदयः | = | महोदयः |
| ८ | महा | + | उत्सवः | = | महोत्सवः |
| ९ | सप्त | + | ऋषिः | = | सप्तर्षिः |
| १० | वर्षा | + | ऋतुः | = | वर्षर्तुः |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ११ | ममैव | = | मम | + | एव |
| १२ | दर्शनेच्छा | = | दर्शन | + | इच्छा |
| १३ | लतेव | = | लता | + | इव |
| १४ | तस्येदम् | = | तस्य | + | इदम् |
| १५ | वसन्तोत्सवः | = | वसन्त | + | उत्सवः |
| १६ | लोकोक्तिः | = | लोक | + | उक्तिः |
| १७ | महोदयः | = | महा | + | उदयः |
| १८ | तथोक्तम् | = | तथा | + | उक्तम् |
| १९ | ग्रीष्मर्तुः | = | ग्रीष्म | + | ऋतुः |
| २० | महर्षिः | = | महा | + | ऋषिः |

# स्वरसन्धिः

## १.३) वृद्धिसन्धिः (वृद्धिरादैच् ।१।१।१, वृद्धिरेच् ६।१।८८)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| अ/आ | + | ए/ऐ | = | ऐ |
| | + | ओ/औ | = | औ |

तव + एव

त् अ व् अ + ए व् अ

ऐ

त् अ व् ऐ व् अ

तवैव

जल + ओधः

ज् अ ल् अ + ओ ध् अ :

औ

ज् अ ल् औ ध् अ :

जलौधः

# स्वरसन्धिः

अभ्यासः –

(अधोलिखित उदाहरणों को ध्यान से पढिए। यथा – *न + एव = नैव = न + एव*)

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | एक | + | एकशः | = | एकैकशः |
| २ | तथा | + | एव | = | तथैव |
| ३ | सदा | + | एकता | = | सदैकता |
| ४ | मत | + | ऐक्यम् | = | मतैक्यम् |
| ५ | जल | + | ओधः | = | जलौधः |
| ६ | गङ्गा | + | ओधः | = | गङ्गौधः |
| ७ | च | + | एव | = | चैव |
| ८ | मम | + | एषः | = | ममैषः |
| ९ | तदा | + | एव | = | तदैव |
| १० | धारा | + | ऐक्यम् | = | धारैक्यम् |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ११ | अद्यैव | = | अद्य | + | एव |
| १२ | प्रार्थनैषा | = | प्रार्थना | + | एषा |
| १३ | सदैकता | = | सदा | + | एकता |
| १४ | धनैश्वर्यम् | = | धन | + | ऐश्वर्यम् |
| १५ | महौषधम् | = | महा | + | औषधम् |
| १६ | ममौदार्यम् | = | मम | + | औदार्यम् |
| १७ | तेनैकः | = | तेन | + | एकः |
| १८ | मयैव | = | मया | + | एव |
| १९ | सदैकता | = | सदा | + | एकता |
| २० | महौदार्यम् | = | महा | + | औदार्यम् |

## १.३) यण्-सन्धिः (इको यणचि ६।१।७७)

| इ/ई | उ/ऊ | ऋ/ॠ | + | असमान स्वर / विजातीय स्वर |
|---|---|---|---|---|
| ↓ | ↓ | ↓ | | |
| य् | व् | र् | | |

इ तथा ई के लिए असमान स्वर = इ तथा ई के अलावा सारे स्वर (अ आ उ ऊ ऋ ॠ ए ऐ ओ औ)

यदि + अपि

य् अ द् इ + अ प् इ

इ → य्

य् अ द् य् अ प् इ

यद्यपि

पितृ + इच्छा

प् इ त् ऋ + इ च् छ् आ

ऋ → र्

प् इ त् र् इ च् छ् आ

पित्रिच्छा

# स्वरसन्धिः

अभ्यासः –

(अधोलिखित उदाहरणों को ध्यान से पढिए। यथा – *अनु + अयः = अन्वयः = अनु + अयः* )

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | यदि | + | अपि | = | यद्यपि |
| २ | इति | + | आदि | = | इत्यादि |
| ३ | नदी | + | अस्ति | = | नद्यस्ति |
| ४ | सु | + | आगतम् | = | स्वागतम् |
| ५ | पितृ | + | आदेशः | = | पित्रादेशः |
| ६ | मधु | + | अरिः | = | मध्वरिः |
| ७ | नारी | + | आश्रमः | = | नार्याश्रमः |
| ८ | प्रति | + | अवदत् | = | प्रत्यवदत् |
| ९ | वि | + | आकुलः | = | व्याकुलः |
| १० | मातृ | + | इच्छा | = | मात्रिच्छा |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ११ | प्रत्येकम् | = | प्रति | + | एकम् |
| १२ | प्रत्युपकारः | = | प्रति | + | उपकारः |
| १३ | नार्यस्ति | = | नारी | + | अस्ति |
| १४ | गच्छत्वेकः | = | गच्छतु | + | एकः |
| १५ | दात्रीशः | = | दातृ | + | ईशः |
| १६ | यात्विति | = | यातु | + | इति |
| १७ | नद्याकृतिः | = | नदी | + | आकृतिः |
| १८ | अत्याचारः | = | अति | + | आचारः |
| १९ | भ्रात्रुदयः | = | भ्रातृ | + | उदयः |
| २० | पित्रुपदेशः | = | पितृ | + | उपदेशः |

## १.४) अयादि-सन्धिः (एचोऽयवायावः ६।१।७८)

| ए | ऐ | ओ | औ | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ↓ | ↓ | ↓ | ↓ | + | कोई भी स्वर |
| अय् | आय् | अव् | आव् | | |

कवे + एहि

क् अ व् ए + ए ह् इ

ए → अय्

क् अ व् अय् ए ह् इ

**कवयेहि**

मुनौ + अयम्

म् उ न् औ + अ य् अ म्

औ → आव्

म् उ न् आव् अ य् अ म्

**मुनावयम्**

# स्वरसन्धिः

अभ्यासः –

(अधोलिखित उदाहरणों को ध्यान से पढिए। यथा – *शे + अनम् = शयनम् = शे + अनम्*)

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | ने | + | अनम् | = | नयनम् | ११ | ऋषे | = | ए | + | ऋषये |
| २ | नै | + | अकः | = | नायकः | १२ | गायकः | = | गै | + | अकः |
| ३ | नद्यै | + | इह | = | नद्यायिह | १३ | तस्मायिदम् | = | तस्मै | + | इदम् |
| ४ | भो | + | अति | = | भवति | १४ | विष्णविह | = | विष्णो | + | इह |
| ५ | पौ | + | अकः | = | पावकः | १५ | द्वावेतौ | = | द्वौ | + | एतौ |
| ६ | मुनौ | + | अयम् | = | मुनावयम् | १६ | तावपि | = | तौ | + | अपि |
| ७ | रौ | + | अनः | = | रावणः | १७ | द्वावपि | = | द्वौ | + | अपि |
| ८ | नौ | + | इकः | = | नाविकः | १८ | तावेव | = | तौ | + | एव |
| ९ | ते | + | आसन् | = | तयासन् | १९ | पवनः | = | पो | + | अनः |
| १० | के | + | आगच्छन् | = | कयागच्छन् | २० | नयति | = | ने | + | अति |

# कक्षा-८

## *विषय:-संस्कृत*
## *लट् लकार-आत्मनेपद*

# वर्तमानकाल( लट् लकार-आत्मनेपद)

## प्रत्यया:

| पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथम: पुरुष: | ते | इते | अन्ते |
| मध्यम: पुरुष: | त्वम् (तुम)<br>से | युवाम् (तुम दोनों )<br>इथे | यूयम् (तुम सब)<br>ध्वे |
| उत्तम: पुरुष: | अहम्  (मैं)<br>इ | आवाम् ( हम दोनों)<br>आवहे | वयम् (हम सब)<br>आमहे |

# वर्तमानकाल ( लट् लकार-आत्मनेपद)

## लभ्-(प्राप्त करना)

| पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथम: पुरुष: | बालक: लभते | बालकौ लभेते । | बालका: लभन्ते । |
| मध्यम: पुरुष: | त्वम् (तुम) लभसे | युवाम् (तुम दोनों ) लभेथे । | यूयम् (तुम सब) लभध्वे । |
| उत्तम: पुरुष: | अहम् (मैं) लभे । | आवाम् ( हम दोनों) लभावहे। | वयम् (हम सब) लभामहे । |

# वर्तमानकाल ( लट् लकार-आत्मनेपद)

## रुच्- अच्छा लगना

| पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथम: पुरुष: | रोचते | रोचेते | रोचन्ते |
| मध्यम: पुरुष: | रोचसे | रोचेथे | रोचध्वे |
| उत्तम: पुरुष: | रोचे | रोचावहे | रोचामहे |

# वर्तमानकाल ( लट् लकार-आत्मनेपद)

## सेव्- सेवा करना

| पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| --- | --- | --- | --- |
| प्रथम: पुरुष: | सेवते | सेवते | सेवन्ते |
| मध्यम: पुरुष: | सेवसे | सेवेथे | सेवध्वे |
| उत्तम: पुरुष: | सेवे | सेवावहे | सेवामहे |

# वर्तमानकाल ( लट् लकार-आत्मनेपद)

## वृध्- बढ़ना

| पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथम: पुरुष: | वर्धते | वर्धेते | वर्धन्ते |
| मध्यम: पुरुष: | वर्धसे | वर्धेथे | वर्धध्वे |
| उत्तम: पुरुष: | वर्धे | वर्धावहे | वर्धामहे |

# वर्तमानकाल ( लट् लकार-आत्मनेपद)

## भाष्- बोलना

| पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| प्रथम: पुरुष: | भाषते | भाषेते | भाषन्ते |
| मध्यम: पुरुष: | भाषसे | भाषेथे | भाषध्वे |
| उत्तम: पुरुष: | भाषे | भाषावहे | भाषामहे |

# वर्तमानकाल-आत्मनेपद-धातुरुपाणि

| | धातु: | पुरुष: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | वृध् | प्रथम: पुरुष: | वर्धते | वर्धेते | वर्धन्ते |
| २ | लभ् | मध्यम: पुरुष: | लभसे | लभेथे | लभध्वे |
| ३ | विन्द् | उत्तम: पुरुष: | विन्दे | विन्दावहे | विन्दामहे |
| ४ | सेव् | प्रथम: पुरुष: | सेवते | सेवेते | सेवन्ते |
| ५ | त्रै | मध्यम: पुरुष: | त्रायसे | त्रायेथे | त्रायध्वे |
| ६ | रुच् | उत्तम: पुरुष: | रोचे | रोचावहे | रोचामहे |
| ७ | मन् | प्रथम: पुरुष: | मान्यते | मान्येते | मान्यन्ते |
| ८ | भाष् | मध्यम: पुरुष: | भाषसे | भाषेथे | भाषध्वे |
| ९ | वर्त् | उत्तम: पुरुष: | वर्ते | वर्तावहे | वर्तामहे |
| १० | रुच् | प्रथम: पुरुष: | रोचते | रोचेते | रोचन्ते |

# विषय:-संस्कृतम्
# कक्षा-८
# अपठित- अवबोधनम्

| | |
|---|---|
| प्र-१ | **अधोलिखितम् अपठितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत।** |
| | मेट्रोयानं पूर्णतया सङ्गणकेन नियन्त्रितं यानम् अस्ति। इदं यानं भूमे: अध:, उपरि चापि धावति। पूर्णत: वातानुकूलितं भवति इदं यानम्। अतीव सुखकरी भवति यात्रा अनेन यानेन। **इदं यानम् अतिवेगेन विद्युता चलति**। मेट्रोयानेन दिल्लीनगरस्य सम्पूर्णदर्शनम् अतीवसुखेन भवति। यातायात समस्याया: समाधानं मेट्रोयानेन एव संभवति। |
| ➢ | **एकपदेन उत्तरत।** |
| क) | मेट्रोयानं केन चलति ? **विद्युता** |
| ख) | मेट्रोयानं पूर्णत: कीदृशं भवति ? **वातानुकूलितं** |
| ➢ | **पूर्णवाक्येन उत्तरत।** |
| क) | मेट्रोयानं केन नियन्त्रितं यानम् अस्ति ? |
| उ | **मेट्रोयानं पूर्णतया सङ्गणकेन नियन्त्रितं यानम् अस्ति।** |
| ख) | मेट्रोयानं कस्य उपरि धावति ? |
| उ | **मेट्रोयानं भूमे: उपरि धावति।** |
| ➢ | **निर्देशानुसारम् उत्तरत।** |
| क) | **'सुखकरी यात्रा'** अनयो: पदयो: विशेषणपदं किम् ? **सुखकरी** |
| ख) | गद्यांशात् द्वे अव्ययपदे चित्वा लिखत। **अध:, उपरि** |
| ग) | 'पृथिव्या:' इत्यस्य किं पर्यायपदम् गद्यांशे प्रयुक्तम् ? **भूमे:** |
| घ) | **'इदं यानम्'** इत्यस्मिन् वाक्ये '**चलति** क्रियापदस्य **कर्तृपदं** किम् ? **यानम्** |

## चित्रवर्णनम्

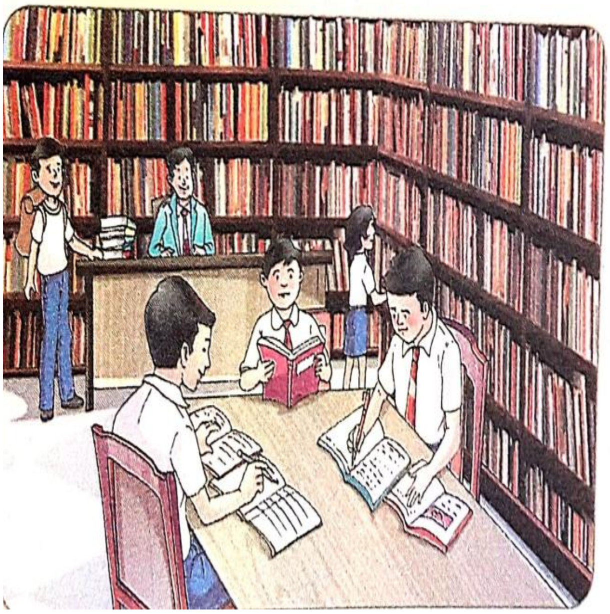

पुस्तकालयस्य, पुस्तकालयाध्यक्षः, वार्तापत्राणि,
पुस्तकानि, पत्रिकाः, पश्यन्ति, पठन्ति,
एकः, पृच्छति, लिखतः, द्वौ, उत्पीठिकायाम्,
कपाटिकायाम्

१) एतत् चित्रं पुस्तकालयस्य अस्ति ।

२) चित्रे बालका: पठन्ति ।

३) चित्रे एका कपाटिका अस्ति ।

४) चित्रे द्वौ छात्रौ लिखत: ।

५) चित्रे एक: पुस्तकालयाध्यक्ष: अस्ति ।

# क्त्वतु प्रत्यय

यह प्रत्यय भूतकाल के अर्थ को प्रकट करता है। इसका प्रयोग कर्तृवाच्य में किया जाता है। क्त्वतु में 'क्' व अन्तिम 'उ' का लोप होने पर 'तवत्' शेष रहता है। इसके रुप भी तीनों लिंगो मे चलते हैं। इस प्रत्यययुक्त पदों (शब्दों) के रुप पुल्लिंग में भवत् की तरह, स्त्रीलिंग में नदी तथा नपुंसकलिंग में जगत् की तरह चलते हैं।

उदा.

| लिंग | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| पुल्लिंग | बालक: खादितवान्। | बालकौ खादितवन्तौ। | बालका: खादिवन्त:। |
| स्त्रीलिंग | बालिका खादितवती। | बालिके खादितवत्यौ | बालिका: खादितवत्य:। |

NOTE-क्त्वतु प्रत्यय में केवल पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग में प्रथमा विभक्ति एकवचन, द्विवचन, बहुवचन का अभ्यास करना है।

| मूलधातु: | क्तवतु प्रत्यय: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|---|
| गतवन्त:/गतवान् | गम् + क्तवतु | गतवान् | गतवन्तौ | गतवन्त: |
| उक्तवन्त: | वच् + क्तवतु | उक्तवान् | उक्तवन्तौ | उक्तवन्त: |
| प्रेषितवान् | प्रेष् + क्तवतु | प्रेषितवान् | प्रेषितवन्तौ | प्रेषितवन्त: |
| अन्विष्टवन्त: | अन् + इष + क्तवतु | अन्विष्टवान् | अन्विष्टवन्तौ | अन्विष्टवन्त: |
| आगतवन्त: | आ + गम् + क्तवतु | आगतवान् | आगतवन्तौ | आगतवन्त: |
| प्राप्तवान् | प्र + आप् + क्तवतु | प्राप्तवान् | प्राप्तवन्तौ | प्राप्तवन्त: |
| उपविष्टवान् | उप् + विश् + क्तवतु | उपविष्टवान् | उपविष्टवन्तौ | उपविष्टवन्त: |
| कथितवान् | कथ् + क्तवतु | कथितवान् | कथितवन्तौ | कथितवन्त: |
| आगतवान् | आ + गम् + क्तवतु | आगतवान् | आगतवन्तौ | आगतवन्त: |
| त्रोटितवान् | त्रुट् + क्तवतु | त्रोटितवान् | त्रोटितवन्तौ | त्रोटितवन्त: |
| स्थापितवान् | स्था + क्तवतु | स्थापितवान् | स्थापितवन्तौ | स्थापितवन्त: |
| खनितवन्त: | खन् + क्तवतु | खनितवान् | खनितवन्तौ | खनितवन्त: |
| दृष्टवान् | दृश + क्तवतु | दृष्टवान् | दृष्टवन्तौ | दृष्टवन्त: |
| कृतवान् | कृ + क्तवतु | कृतवान् | कृतवन्तौ | कृतवन्त: |
| आदिष्टवान् | आ + दिश् + क्तवतु | आदिष्टवान् | आदिष्टवन्तौ | आदिष्टवन्त: |
| कृतवत्य: | कृ + क्तवतु + ई (स्त्री.) | कृतवती | कृत्वत्यौ | कृत्वत्य: |
| उपविष्टवती | उप् + विश् + क्तवतु +ई (स्त्री.) | उपविष्टवती | उपविष्टवत्यौ | उपविष्टवत्य: |
| सूचितवती | सूच् + क्तवतु + ई (स्त्री.) | सूचितवती | सूचितवत्यौ | सूचितवत्य: |
| नीतवती | नीत् + क्तवतु + ई (स्त्री.) | नीतवती | नीतवत्यौ | नीतवत्य: |